India-Viet Nam: Joint Issue

The civilizational relationship between India and Viet Nam spans over 2000 years. Monks, traders and people from both countries have interacted over centuries. The intense cultural exchanges have enriched the cultural diversity of the region. India and Viet Nam enjoy good relations and have established bilateral cooperation mechanisms. The relations between the two countries are marked by strong trust, mutual understanding and convergence of views on various international issues and the regional security situation in Asia.

In recent times, political contacts have strengthened as reflected in several high-level visits by leaders from both sides. Trade and economic linkages continue to grow. Viet Nam is an important regional partner in South East Asia. India and Viet Nam closely cooperate in various regional forums such as ASEAN, East Asia Summit, Mekong Ganga Cooperation, Asia Europe Meeting (ASEM) besides UN and WTO.

India and Viet Nam have emphasized that enhancing bilateral economic engagement is a strategic objective. The bilateral trade is growing at a healthy pace.

In 2017, the two countries have celebrated the 45th Anniversary of the establishment of diplomatic relations and the 10th Anniversary of Strategic Partnership. The theme for the joint issue is "Ancient Architecture", depicting "Sanchi Stupa" in the Indian stamp and "Pho Minh Pagoda" in the Viet Nam stamp. The Sanchi Stupa and the Pho Minh Pagoda are architectural landmarks of their respective countries and are tied by the common thread of Buddhism.

Sanchi Stupa:

The Great Stupa at Sanchi is one of the most important Buddhist monuments. Located at Sanchi town, Madhya Pradesh, India, this Stupa is the oldest stone structure in India that was built during the Mauryan period. Originally commissioned in the third century B.C. by Emperor Ashok, this huge hemispherical dome with a height of 54.0 ft consists of a central chamber where the relics of Lord Buddha are placed. Four ornamental gateways facing four directions and a balustrade surrounding the Stupa were later added in the first century B.C. Enlisted as a UNESCO World Heritage Site since 1989, it is counted among the best conserved ancient Stupas of central India.

The present hemispherical edifice is double in diameter of the original brick structure built by Ashoka, consisting of the relics of Lord Buddha. A chatra that is an umbrella like structure made of stone crowned the hemispherical brick structure that was surrounded by a wooden railing. A sandstone pillar, inscribed with Edict by Ashoka as also with ornate spiral Brahmi characters from the Gupta period resembling conch shells referred as 'Shankhalipi' or 'shell-script' by scholars, was erected in the site. While the lower portion of it is still grounded, the upper portions are kept under a canopy. During the Shunga dynasty, expansion of the Stupa, nearly double its original size with a more flattened dome was undertaken using stone slabs that entirely covered the actual brick Stupa. Three superimposed umbrella-like structures were built to crown the dome. It symbolised the Wheel of Law or 'dharma'. A high rounded drum that can be reached through a double staircase became the seat of the dome enabling one to circumambulate the sacred dome.

Pho Minh Pagoda:

Pho Minh Pagoda is located 4km north of Nam Dinh City and 94km south of Hanoi, the Capital city. The pagoda was originally built during the Ly Dynasty of Viet Nam and later expanded in 1262 during the Tran Dynasty. It was a place for high-ranking mandarins and the aristocracy of the Tran Royal Court to worship and lead their religious life.

The architecture and decorations of the pagoda are characteristic of the Tran Dynasty's times: lotus flower pond, lotus-flower decorations at the foot of the pillars, the Tran-styled dragon sculptures, the stone candle holders. Specially, a 13 story-tower named Pho Minh Tower in the shape of a lotus, 19 meters high, was built just in front yard of the pagoda in 1305. The base and the tower's first floor were constructed with flagstones and the upper floors were built with bricks. On top of the tower, there is a gourd-shaped decoration which is kind of talisman to catch the elite energy from the universe. The tower is believed to connect the Earth and the Universe. Pho Minh Pagoda is mostly visited by the Vietnamese Buddhist Pilgrims and tourists, especially in festival times.

Department of Posts is pleased to release a set of two Commemorative Postage Stamps between India and Viet Nam on the theme Ancient Architecture featuring 'Sanchi Stupa' of India and 'Pho Minh Pagoda' of Viet Nam.

Credits:-

Text : Based on the information received from Ministry of External Affairs and Viet Nam Post

Stamp / Miniature sheet/
First Day Cover/Brochure: Shri Brahm Prakash

Cancellation Cachet : Smt. Alka Sharma

भारतीय डाक विभाग
Department of Posts
India

प्राचीन वास्तुशैली
Ancient Architecture
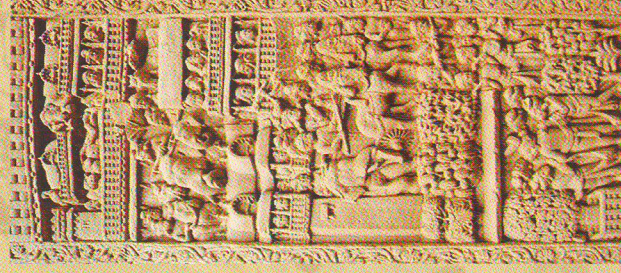
भारत-वियतनाम : संयुक्त डाक टिकट
India-Viet Nam : Joint Issue

विवरणिका BROCHURE

भारत-वियतनामः संयुक्त डाक-टिकट

भारत और वियतनाम के बीच परंपरागत संबंधों का इतिहास 2000 वर्षों से अधिक पुराना है। दोनों देशों के भिक्षु, व्यापारी और आमजन सदियों से एक-दूसरे के संपर्क में रहे हैं। इन दोनों सभ्यताओं के बीच इस गहन सांस्कृतिक आदान-प्रदान के फलस्वरूप इस क्षेत्र की सांस्कृतिक विविधता और समृद्ध हुई है। भारत और वियतनाम के बीच द्विपक्षीय संबंध मधुर रहे हैं और दोनों देशों ने आपसी सहयोग के विभिन्न मंचों का विकास किया है। दोनों राष्ट्रों की यह मैत्री दृढ़ विश्वास, आपसी समझ और विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय मुद्दों तथा एशिया की क्षेत्रीय सुरक्षा की स्थिति के संदर्भ में मतैक्य पर आधारित है।

पिछले कुछ समय में, दोनों देशों के राजनीतिक संबंध और सुदृढ़ बने हैं। दोनों पक्षों के नेताओं ने उच्च स्तरीय दौरे किए हैं। इसके साथ-साथ व्यापार और आर्थिक संबंध भी लगातार मजबूत हो रहे हैं। वियतनाम, दक्षिण-पूर्व एशिया का महत्वपूर्ण क्षेत्रीय भागीदार है। भारत और वियतनाम, संयुक्त राष्ट्र तथा विश्व व्यापार संगठन के अतिरिक्त विभिन्न क्षेत्रीय संगठनों जैसे आसियान, पूर्वी-एशिया शिखर बैठक, मेकांग गंगा सहयोग, एशिया यूरोप सम्मेलन में एक-दूसरे के सहयोगी हैं।

भारत और वियतनाम, दोनों ही देशों ने इस बात पर बल दिया है कि द्विपक्षीय आर्थिक सहयोग बढ़ाना, कूटनीतिक दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण है। दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार में अच्छी वृद्धि हो रही है।

वर्ष 2017 के दौरान दोनों देशों ने अपने राजनयिक संबंधों की स्थापना की 45वीं वर्षगांठ और अपनी कूटनीतिक भागीदारी की 10वीं वर्षगांठ मनाई। इस संयुक्त डाक-टिकट का विषय "प्राचीन वास्तुशैली" निर्धारित किया गया है। इस संयुक्त प्रयास के अंतर्गत, भारतीय डाक-टिकट पर "सांची स्तूप" तथा वियतनाम के डाक-टिकट पर "फो मिन्ह पगोडा" का अंकन किया गया है। सांची स्तूप और फो मिन्ह पगोडा, अपने-अपने देशों में वास्तुशिल्प की अद्भुत मिसाल हैं और ये दोनों महत्वपूर्ण स्थल बौद्ध धर्म के धागे से जुड़े हैं।

सांची स्तूप :

सांची का विशाल स्तूप, बौद्ध धर्म के सबसे महत्वपूर्ण स्मारक स्थलों में से एक है। यह, भारत के मध्य प्रदेश राज्य के सांची कस्बे में स्थित है। यह स्तूप, भारत में पत्थर से बना प्राचीनतम स्मारक स्थल है, जिसका निर्माण मौर्य काल के दौरान किया गया। इस विशाल अर्द्ध-गोलाकार गुबंद के निर्माण का कार्य तीसरी शताब्दी ई.पू. में सम्राट अशोक द्वारा प्रारंभ कराया गया। 54 फुट ऊंचे इस स्मारक के मध्य में एक विशेष कक्ष स्थित है, जिसमें भगवान बुद्ध के स्मृति-शेष रखे गए हैं। प्रथम शताब्दी ई.पू. में इस स्मारक स्थल का विस्तार किया गया और चारों दिशाओं में चार सजावटी द्वार तथा स्तूप के इर्द-गिर्द रेलिंग का निर्माण किया गया। सांची का यह स्तूप 1989 से यूनेस्को के विश्व विरासती स्थलों की सूची में शामिल है और इसकी गिनती मध्य भारत के सर्वश्रेष्ठ संरक्षित स्थलों में की जाती है।

इस स्तूप का अर्द्ध-गोलाकार ढांचा, सम्राट अशोक द्वारा मूल रूप से निर्मित ईट के ढांचे से दोगुने आकार का है। इसमें भगवान बुद्ध के स्मृति-शेष रखे हैं। ईंटों से बने इस अर्द्ध-गोलाकार मूल ढांचे के ठीक ऊपर पत्थर से बने छत्र (छाते) का निर्माण करवाया गया और इन्हें लकड़ी की रेलिंग से घेर दिया गया। यहां, बलुआ पत्थर का एक स्तंभ भी बनवाया गया। इस पर अशोक के शिलालेखों का अंकन है। इसमें गुप्त काल की सजावटी ब्राह्मी लिपि के अक्षरों का इस्तेमाल किया गया है। ये अक्षर, शंखों के आकार के हैं, इसलिए विद्वानों ने इस लिपि को शंख लिपि भी कहा है। इस स्तंभ का निचला हिस्सा अपने मूल स्थान पर खड़ा है, वहीं ऊपरी हिस्सा छत्र के नीचे रखा गया है। शुंग सम्राज्य काल के दौरान इस स्तूप के वृहद विस्तार का कार्य संपन्न हुआ और इसे, इसके मूल आकार से लगभग दोगुना बना दिया गया। इसके गुबंद को पत्थर की सिल्लियों से चपटा बनाया गया और इस नए गुंबद ने ईटों से निर्मित स्तूप को पूरी तरह से ढक लिया। इस गुंबद के ठीक ऊपर तीन छातेनुमा ढांचे भी बनाए गए हैं। यह धर्म चक्र का प्रतीक है। एक ऊंचा ढोलनुमा ढांचा, इस गुंबद का आधार बना। इस ढोलनुमा ढांचे तक पहुंचने के लिए सीढ़ियों का निर्माण किया गया, जिन पर चल कर इस पवित्र गुंबद की परिक्रमा की जा सकती है।

फो मिन्ह पगोडा :

फो मिन्ह पगोडा, नाम डिन्ह शहर के 4 कि.मी. उत्तर में स्थित है और राजधानी हनोई से इसकी दूरी दक्षिण दिशा में लगभग 94 कि.मी. है। इस पगोडा का मूल निर्माण कार्य वियतनाम के ली शासनकाल के दौरान हुआ और आगे चलकर त्राण शासन्नकाल के दौरान 1262 में इसका विस्तार किया गया। यह शीर्ष मैंडरिन और त्राण के शाही दरबार के ओहदेदारों का पूजा स्थल था।

इस पगोडा की वास्तुशैली और इसकी सजावट में त्राण शासनकाल में अपनाई जाने वाली शैली की सभी विशेषताएं मौजूद हैं, जैसे - कमल के फूलों का तालाब, स्तंभों के आधार पर कमल के फूलों का सजावटी काम, त्राण शैली की ड्रैगन शिल्पकला और पत्थर से बने शमादान (कैंडल स्टैंड)। इस पगोडा का सबसे खूबसूरत पहलू है इसकी 13 मंजिला फो मिन्ह मीनार, जो कमल के आकार में निर्मित है। इसकी ऊंचाई 19 मीटर है और इसे इस पगोडा के अगले अहाते में वर्ष 1305 में निर्मित किया गया था। इस मीनार के आधार तल तथा प्रथम मंजिल का निर्माण पत्थरों से किया गया और इसकी ऊपरी मंजिलें ईंटों से बनाई गई। इस मीनार के शीर्ष पर तुम्बे के आकार का सजावटी काम है, जो कि ब्रह्मांड की दिव्य ऊर्जा को ग्रहण करने का विशेष धार्मिक यंत्र है। मान्यता है कि यह मीनार, पृथ्वी को ब्रह्मांड से जोड़ने का जरिया है। वियतनाम के बौद्ध तीर्थ यात्री और पर्यटक, त्यौहारों के समय बड़ी संख्या में फो मिन्ह पगोडा आते हैं।

डाक विभाग, भारत और वियतनाम पर दो स्मारक डाक-टिकटों का सेट जारी करते हुए प्रसन्नता का अनुभव करता है। इन डाक-टिकटों का विषय प्राचीन वास्तुशैली है और इन पर भारत के 'सांची स्तूप' और वियतनाम के 'फो मिन्ह पगोडा' का अंकन है।

आभारः-

पाठ : विदेश मंत्रालय और वियतनाम पोस्ट से प्राप्त जानकारी के आधार पर आधारित

डाक टिकट/मिनियेचर शीट/

प्रथम दिवस आवरण/विवरणिका : श्री ब्रह्म प्रकाश

विरूपण मुहर : श्रीमती अलका शर्मा

तकनीकी आंकड़े

TECHNICAL DATA

मूल्यवर्ग Denomination	:	2500 पैसा, 500 पैसा 2500 p, 500p
मुद्रित डाक टिकटें Stamps Printed	:	5.0 लाख प्रत्येक 0.5 million each
मुद्रित मिनियेचर शीट Miniature Sheet Printed	:	103500 103500
मुद्रण प्रक्रिया Printing Process	:	वेट ऑफसेट Wet Offset
मुद्रक Printer	:	प्रतिभूति मुद्रणालय, हैदराबाद Security Printing Press, Hyderabad

The philatelic items are available for sale at http://www.epostoffice.gov.in/PHILATELY_3D.html

मूल्य ₹ 5.00